উত্তরের সারাদিন [সাত

১৯ ডিসেম্বর ২০১২ বুধবার

ক্ষুদ্র চাষিদের জন্য কর্মশালা

নিজস্ব প্রতিনিধি, দার্জিলিং, ১৮ ডিসেম্বর ঃ হাতেকলমে শিক্ষার জন্য ক্ষুদ্র চা চাষিদের নিয়ে কর্মশালা সংগঠিত হল দার্জিলিংয়ের নয়াবস্তির রুংডুং-এ। শীতকালে রক্ষণাবেক্ষণের জন্য কীভাবে চা গাছ ছাটতে হয়, সেটাই ছিল কর্মশালার মূল বিষয়। ভারতীয় চা পর্ষদের সহযোগিতায়, দার্জিলিং টি রিসার্চ অ্যান্ড ডেভেলপমেন্ট সেন্টারের প্রযুক্তিগত সহায়তায় এই কর্মশালা অনুষ্ঠিত হয়। এই কর্মশালাতে শীতের মরশুমে চা গাছ ছাটার বিভিন্ন নিয়ম হাতেকলমে শেখানো হয়। সেইসাথে মাটি ও জৈবসারের ব্যবহার, কীটনাশকের প্রয়োগ নিয়েও আলোচনা হয়। প্রজেক্ট ডাইরেক্টর ডঃ মহীপাল সিং, বিজ্ঞানী এ কে সিং, ডঃ এ বসু মজুমদার, পি গিরি ও এস টি ইয়োলমো এই কর্মশালাতে উপস্থিত ছিলেন। প্রায় ৬০ জন চা উৎপাদক এই অনুষ্ঠানে অংশগ্রহণ করেন।

Workshop for Small Tea Growers of Darjeeling held

Darjeeling, 17 December: A one day field workshop was organized for the Small Tea Growers of Darjeeling Small Tea Growers' Society at Naya Busty (Rung Dung), Darjeeling on 16.12.12 on cultural practices particularly on pruning and management of tea bush during cold weather. The workshop was sponsored by Tea Board of India where technical knowhow was provided by the scientific personnel of Darjeeling Tea Research & Development Centre (DTR&DC), Kursoeng.

Dr. Mahipal Singh, Project Director and Dr. A. K Singh, Soil Scientist from DTR&DC; Dr. A. Basu Majumder, Research Officer from Tea Board were present at the workshop along with Mr. P. Giri, President and Mr. S. T. Yolmo, Secretary, Darjeeling Small Tea Growers' Society.

Around 60 small tea growers of Darjeeling Small Tea Growers' Society participated in the workshop where importance of pruning and methods of pruning was discussed along with field demonstration on different types of pruning. Besides, management of soil through organic way, preparation of vermi-compost and various aspects of insect pest and disease management were also discussed.

Field demonstration at the workshop

Participants at the workshop

जनपथ समाचार, सिलिगुड़ी, 18 दिसम्बर 2012, पृष्ठ 5

टी बोर्ड के सौजन्य से लघु चाय उत्पादकों के लिए वर्कशॉप का आयोजन

सिलीगुड़ी (निज संवाददाता)। दार्जिलिंग स्मॉल टी ग्रोअर्स सोसाइटी द्वारा दार्जिलिंग के लघु चाय उत्पादकों के लिए रंग डंग के नया बस्ती में कल एक दिवसीय फिल्ड वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का आयोजन टी बोर्ड ऑफ इंडिया के सौजन्य से किया गया। इस वर्कशॉप में तकनीकि जानकारियां कर्सियांग के दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेन्टर के वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई। इसमें ठंड के समय में चाय की झाड़ियों के वैज्ञानिक पद्धति से प्रबंधन तथा छंटनी के परंपरागत तरीकों पर चर्चा की गई। इसके अलावा मिट्टी का जैविक तरीके से प्रबंधन,वर्मी कंपोस्ट तथा कीटनाशक बनाने के बारे में भी जानकारियां दी गई।

उक्त सेन्टर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा.महिपाल सिंह एवं सोयल साईंटिस्ट डा. ए के सिंह,टी बोर्ड के रिसर्च ऑफिसर ए बसु मजुमदार के अलावा दार्जिलिंग स्मॉल टी ग्रोअर्स सोसाइटी के सभापति पी गिरी तथा सचिव एस टी योल्मो मौजूद थे। करीब 60 लघु चाय उत्पादकों ने इस वर्कशॉप में हिस्सा लिया।

4 | दैनिक जागरण — पहाड़ जागरण — www.jagran.com

चाय उत्पादकों ने सीखे गुर

◆ कार्यशाला में ठंड के दिनों में चाय के पौधों के रखरखाव पर हुई चर्चा

कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारी व प्रशिक्षक। जागरण

सिलीगुड़ी : दार्जिलिंग के लघु चाय उत्पादक समिति द्वारा आयोजित कार्यशाला में चाय उत्पादकों ने ठंड के दिनों में चाय पौधों की छंटाई व व्यवस्थापन के गुर सीखे। रविवार को रंगडंग के नया बस्ती में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का प्रायोजन टी बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। दार्जिलिंग टी रिसर्च व डवलेंट सेंटर कर्सियांग के दक्ष व्यक्तियों द्वारा उत्पादन की बारीकियों व रखरखाव से अवगत कराया गया।

कार्यशाला में दार्जिलिंग लघु चाय उत्पादक समिति के 60 सदस्य उपस्थित थे। चाय उत्पादन की बारीकियों से सभी को अवगत कराया गया। चाय के पौधों की वैज्ञानिक तरीके से छंटाई के तौर-तरीके से उत्पादक अवगत हुए। कार्बनिक तरीके से चाय पौधे के लिए मिट्टी तैयार करने, वर्मी कंपोस्ट, पौधों में होने वाली बीमारी व उनके उन्मूलन की विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर योजना निदेशक डॉ. महिपाल सिंह, डीटीआर व डीसी के भू वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह, टी बोर्ड के अनुसंधान पदाधिकारी डॉ. ए बासु मजूमदार, दार्जिलिंग लघु चाय उत्पादक समिति के अध्यक्ष पी गिरि व सचिव एसटी योल्मो उपस्थित थे।